केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान में पाया गया यूट्रीकुलेरिया

चर्चा में क्यों?

हाल ही में राजस्थान के केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान में एक दुर्लभ और अनोखा मांसाहारी पौधा **'यूट्रीकुलेरिया'** खोजा गया है।

- सामान्यतः ब्लैडरवॉर्ट्स के नाम से जाना जाने वाला यह पौधा आमतौर पर **मेघालय और दार्जिलिंग जैसे क्षेत्रों में पाया जाता है।**

//

मुख्य बिंदु

- **जैव विविधता में भूमिका:**
  - विशेषज्ञों का मानना है कि **उद्यान में ब्लैडरवॉर्ट की उपस्थिति जैव विविधता को बढ़ाती है** और केवलादेव के पारिस्थितिकी तंत्र में सकारात्मक योगदान देती है।
  - यूट्रीकुलेरिया छोटे कीटों को पकड़कर **पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है।**
    - भारत में इसे आखिरी बार 36 वर्ष के अंतराल के बाद **वर्ष 2021 में उत्तराखंड के चमोली की मंडल घाटी में खोजा गया था।**
- **फीडिंग मैकेनिज़्म:**
  - **यह पौधा अपने मूत्राशय जैसे जाल में** प्रोटोजोआ, **कीट,** लार्वा, मच्छर और टैडपोल जैसे जीवों को फँसा लेता है।
    - **एक बार फँस जाने पर, जीव** मूत्राशय के अंदर ही मर जाता है।
  - यूट्रीकुलेरिया की स्थलीय प्रजातियाँ पानी से भरी मिट्टी में पनपती हैं, जहां वे छोटे तैरने वाले जीवों को पकड़ती हैं।
- **आदर्श विकास स्थितियाँ:**
  - यूट्रीकुलेरिया की वृद्धि **पंचना बाँध से प्रचुर मात्रा में जल की आपूर्ति के कारण होती है,** जो पौधे की वृद्धि के लिये आदर्श परिस्थितियाँ उत्पन्न करती है।

केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान

- **परिचय:**
  - यह **राजस्थान के भरतपुर** में स्थित एक आर्द्रभूमि और पक्षी अभयारण्य और UNESCO विश्व धरोहर स्थल है।
    - चिल्का झील **(उड़ीसा) और केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान (राजस्थान) को 1981** में भारत के प्रथम रामसर स्थल के रूप में मान्यता दी गई।
    - वर्तमान में, केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान और लोकतक झील **(मणिपुर)** मॉन्ट्रेक्स रिकॉर्ड में हैं।
  - यह अपनी **समृद्ध पक्षी विविधता** और **जलपक्षियों की प्रचुरता के लिये जाना जाता है** और यहाँ **365 से अधिक पक्षी प्रजातियाँ पाई जाती हैं, जिनमें** साइबेरियाई सारस जैसी कई **दुर्लभ और संकटग्रस्त प्रजातियाँ भी शामिल हैं।**
- **जीव-जंतु:**

    - इस क्षेत्र में **सियार, सांभर, नीलगाय, जंगली बिल्ली, लकड़बग्घा, जंगली सूअर, साही और** नेवला जैसे जानवर पाए जा सकते हैं।
- **वनस्पति:**
    - प्रमुख वनस्पति प्रकार उष्णकटिबंधीय शुष्क पर्णपाती वन हैं, जिनमें **बबूल नीलोटिका का प्रभुत्व है** तथा शुष्क घास के मैदान भी इसमें शामिल हैं।
- **नदी:**
    - गंभीर और **बाणगंगा** दो नदियाँ हैं जो इस राष्ट्रीय उद्यान से होकर बहती हैं।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/found-in-keoladeo-national-park-utricularia